उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:228 | देहरादून, शनिवार, 01 अक्टूबर, 2022 | पृष्ठ:08

पोषण माह समापन पर कृषि विज्ञान केंद्र पोषण कार्यशाला का आयोजन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः पोषण माह के समापन के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर व कन्नौज के संयुक्त तत्वाधान में कुपोषण निवारण हेतु अल्पदोहित अनाज, फल व सब्जियां विषय पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व कृषक महिलाओं के लिए ऑनलाइन पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया ऑनलाइन कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अल्पदोहित अनाज,फलों, सब्जियों के पोषक मूल्य व उनके प्रसंस्करण की तकनीकों से जनपद की ज्यादा से ज्यादा कार्यकत्रितों व कृषक महिलाओं को जागरूक करना था कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समन्वयक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि आई.सी. ए. आर. अटारी कानपुर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ साधना पांडेय थी कंटोला एक स्वास्थ्यवर्धक भोजन है इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉक्टर निमिषा अवस्थी वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर ने अल्पदोहित विभिन्न सब्जियों की जैसे बथुआ, कुल्फा, चौलाई, नारी व सहजन के पोषक मूल्यों पर विस्तृत जानकारी दी कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज की गृह वैज्ञानिक डॉ पूनम सिंह ने कुपोषण निवारण हेतु मोटे अनाजों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

वर्ष 16 अंक 270 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 02 अक्टूबर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

पोषण माह समापन पर वर्चुअल पोषण कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। पोषण माह के समापन के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर व कन्नौज के संयुक्त तत्वाधान में कुपोषण निवारण हेतु अल्पदोहित अनाज, फल व सब्जियाँ विषय पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व कृषक महिलाओं के लिए ऑनलाइन पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। ऑनलाइन कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अल्पदोहित अनाज,फलों, सब्जियों के पोषक मूल्य व उनके प्रसंस्करण की तकनीकों से जनपद की ज्यादा से ज्यादा कार्यकत्रियों व कृषक महिलाओं को जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समन्वयक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि आई.सी.ए. आर. अटारी कानपुर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ साधना पांडेय थी। कंटोला एक स्वास्थ्यवर्धक भोजन है। इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉक्टर निम्बिया अवस्थी वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर ने अल्पदोहित विभिन्न सब्जियों की जैसे बथुआ, कुल्फा, चौलाई, नारी व सहजन के पोषक मूल्यों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज की गृह वैज्ञानिक डॉ पूनम सिंह ने कुपोषण निवारण हेतु मोटे अनाजों के बारे में विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम को आगे

बढ़ाते हुए डॉ चंद्रकला यादव वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज ने अल्पदोहित फलो के पोषक मूल्यों पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई द्वितीय की गृह वैज्ञानिक डॉ अंजलि साहू ने अल्पदोहित अनाज फल सब्जियों के प्रसंस्करण के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज के अध्यक्ष डॉ वी के कन्नौजिया ने कहा कि पहले गांवों में यह सारी चीजें मिलती थी और हमने इनका उपयोग किया है जबकि अब हमारे बच्चे इन सभी चीजों को पहचान भी नहीं पाते है अतः गृह वैज्ञानिकों का यह प्रयास इस दिशा में सराहनीय कदम है और उम्मीद है कि इस तरह के कार्यक्रम से जागरूकता बढ़ेगी और लोग इसका प्रयोग करना शुरू करेंगे। डॉ रामप्रकाश अध्यक्ष केवीके कानपुर देहात ने कहा कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का यह फायदा है कि हमारी पहुंच अपने जिले के अलावा अन्य जिलों में भी हो जाती है जबकि यह प्रशिक्षण जब ऑफलाइन किए जाते है तो वह 1 जिले या 1 गांव तक ही सीमित रहते है। डॉक्टर साधना पांडेय प्रधान वैज्ञानिक आई सी ए आर अटारी, कानपुर ने कहा कि गृह वैज्ञानिकों का यह प्रयास सराहनीय है साथ ही अल्पदोहित फलों, सब्जियों और अनाजों की विभिन्न रेसिपी हमें गांवों में सिखाने की आवश्यकता है। इसी कड़ी में डॉ अरविंद मृदा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज ने कहा कि इस तरह के फसलों में बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है।जबकि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अधिक लाभदायककंटोला एक बेहतरीन स्वास्थ्यवर्धक भोजन है इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उक्त कार्यक्रम में कृषक महिलाओं, कृषकों व आंगनवाड़ी कार्यकत्री समेत 77 लोगों ने प्रतिभाग किया

पोषण माह समापन के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर द्वारा वर्चुअल पोषण कार्यशाला का आयोजन

(अनवर अशरफ)

कानपुर (रहस्य संदेश)पोषण माह के समापन के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर व कन्नौज के संयुक्त तत्वाधान में कुपोषण निवारण हेतु अल्पदोहित अनाज, फल व सब्जियाँ विषय पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व कृषक महिलाओं के लिए ऑनलाइन पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। ऑनलाइन कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अल्पदोहित अनाज,फलों, सब्जियों के पोषक मूल्य व उनके प्रसंस्करण की तकनीकों से जनपद की ज्यादा से ज्यादा कार्यकत्रितों व कृषक महिलाओं को जाकरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समन्वयक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि आई.सी.ए. आर. अटारी कानपुर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ साधना पांडेय थी। कंटोला एक स्वास्थ्यवर्धक भोजन है। इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉक्टर निमिषा अवस्थी वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर ने अल्पदोहित विभिन्न सब्जियों की जैसे बथुआ, कुल्फा, चौलाई, नारी व सहजन के पोषक मूल्यों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज की गृह वैज्ञानिक डॉ पूनम सिंह ने कुपोषण निवारण हेतु मोटे अनाजों के बारे में विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ चंद्रकला यादव वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज ने अल्पदोहित फलो के पोषक मूल्यों पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई द्वितीय की गृह वैज्ञानिक डॉ अंजलि साहू ने अल्पदोहित अनाज फल सब्जियों के प्रसंस्करण के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज के अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया ने कहा कि पहले गांवों में यह सारी चीजें मिलती थी और हमने इनका उपयोग किया है जबकि अब हमारे बच्चे इन सभी चीजों को पहचान भी नहीं पाते हैं अत: गृह वैज्ञानिकों का यह प्रयास इस दिशा में सराहनीये कदम है और उम्मीद है कि इस तरह के कार्यक्रम से जागरूकता बढ़ेगी और लोग इसका प्रयोग करना शुरू करेंगे। डॉ रामप्रकाश अध्यक्ष केवीके कानपुर देहात ने कहा कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का यह फायदा है कि हमारी पहुंच अपने जिले के अलावा अन्य जिलों में भी हो जाती है जबकि यह प्रशिक्षण जब ऑफलाइन किए जाते हैं तो वह 1 जिले या 1 गांव तक ही सीमित रहते हैं। डॉक्टर साधना पांडेय प्रधान वैज्ञानिक आई सी ए आर अटारी, कानपुर ने कहा कि गृह वैज्ञानिकों का यह प्रयास सराहनीय है साथ ही अल्पदोहित फलों, सब्जियों और अनाजों की विभिन्न रेसिपी हमें गांवों में सिखाने की आवश्यकता है। इसी कड़ी में डॉ अरविंद मृदा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज ने कहा कि इस तरह के फसलों में बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है जबकि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अधिक लाभदायककंटोला एक बेहतरीन स्वास्थ्यवर्धक भोजन है इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उक्त कार्यक्रम में कृषक महिलाओं, कृषकों व आंगनवाड़ी कार्यकत्री समेत 77 लोगों ने प्रतिभाग किया

वर्ष 16 अंक 270 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 02 अक्टूबर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सब्जियों की जैविक खेती स्वाद, सेहत और आर्थिक दृष्टि से लाभकारी: कृषि वैज्ञानिक

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कृषको को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज संदलपुर विकासखंड के गांव डबरापुर में कृषक श्री परमाल के प्रक्षेत्र पर कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि आधुनिक कृषि के तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग एवं जैविक खादों के नगण्य उपयोग की वजह से भूमि में मुख्य एवं सूचहम पोषक तत्वों की कमी होने से न केवल फसलों की पैदावार में गिरावट आ रही है। बल्कि विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टर खान ने बताया कि सब्जी उत्पादन में यह समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। क्योंकि इनमें फसलों की अपेक्षा रासायनिक उर्वरक तथा पौध संरक्षण और वृद्धि नियंत्रक रसायनों का बेशुमार इस्तेमाल किया जा रहा है।जिसके परिणाम स्वरूप जल वायु प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है उन्होंने कहा कि जैविक सब्जी उत्पादन से स्वास्थ्य व सेहत के लिए सर्वोत्तम है। जैविक सब्जियों के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान के कारण बाजार में इन सब्जियों के बेहतर दाम मिलने की वजह से किसानों के लिए सब्जियों की खेती मुनाफे का सौदा साबित हो रही है। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने सब्जी मटर, मूली, टमाटर ,गोभी, बंद गोभी, पत्ता गोभी इत्यादि सब्जियों की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। डॉ विनोद प्रकाश में सब्जी की खेती के तरीके को बढ़ावा देने की पहल की है। क्योंकि यह पर्यावरण अनुकूल और पारिस्थितिकीय रूप से टिकाऊ होने के अलावा कृषक समुदाय के सामाजिक, आर्थिक विकास के उद्देश्य को पूरा करता है। इस अवसर पर डॉ सुशील कुमार यादव ने कार्यक्रम की विस्तार से रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज कानपुर के डॉक्टर एके शर्मा के नेतृत्व में टीम ने किसानों के रक्त नमूना भी लिए। जिससे किसानों के शरीर पर रासायनिक कीटनाशकों के प्रभाव के परिणाम को भी देखा जाएगा। केंद्र के शरद सिंह ने सभी किसानों का पंजीकरण किया।इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक हुकुम सिंह, कैलाश बाबू, प्रमोद कुमार, अनिरुद्ध, श्री ज्ञान सिंह, शिवप्रसाद सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

पोषण माह समापन के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर द्वारा

वर्चुअल पोषण कार्यशाला का आयोजन

कानपुर। पोषण माह के समापन के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर व कन्नौज के संयुक्त तत्वाधान में कुपोषण निवारण हेतु अल्पदोहित अनाज, फल व सब्जियाँ विषय पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व कृषक महिलाओं के लिए ऑनलाइन पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। ऑनलाइन कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अल्पदोहित अनाज,फलों, सब्जियों के पोषक मूल्य व उनके प्रसंस्करण की तकनीकों से जनपद की ज्यादा से ज्यादा कार्यकत्रितों व कृषक महिलाओं को जाकरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समन्वयक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि आई.सी.ए. आर. अटारी कानपुर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ साधना पांडेय थी। कंटोला एक स्वास्थ्यवर्धक भोजन है। इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉक्टर निमिषा अवस्थी वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर ने अल्पदोहित विभिन्न सब्जियों की जैसे बथुआ, कुल्फा, चौलाई, नारी व सहजन के पोषक मूल्यों पर विस्तृत जानकारी

दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज की गृह वैज्ञानिक डॉ पूनम सिंह ने कुपोषण निवारण हेतु मोटे अनाजों के बारे में विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ चंद्रकला यादव वैज्ञानिक गृह विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज ने अल्पदोहित फलो के पोषक मूल्यों पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई द्वितीय की गृह वैज्ञानिक डॉ अंजलि साहू ने अल्पदोहित अनाज फल

सब्जियों के प्रसंस्करण के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज के अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया ने कहा कि पहले गांवों में यह सारी चीजें मिलती थी और हमने इनका उपयोग किया है जबकि अब हमारे बच्चे इन सभी चीजों को पहचान भी नहीं पाते हैं अतः गृह वैज्ञानिकों का यह प्रयास इस दिशा में सराहनीय कदम है और उम्मीद है कि इस तरह के कार्यक्रम से जागरूकता बढ़ेगी और लोग इसका प्रयोग करना शुरू करेंगे। डॉ रामप्रकाश अध्यक्ष केवीके कानपुर देहात ने कहा कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का यह फायदा है कि हमारी पहुंच अपने जिले के अलावा अन्य जिलों में भी हो जाती है जबकि यह प्रशिक्षण जब ऑफलाइन किए जाते हैं तो वह 1 जिले या 1 गांव तक ही सीमित रहते हैं। डॉक्टर साधना पांडेय प्रधान वैज्ञानिक आई सी ए आर अटारी, कानपुर ने कहा कि गृह वैज्ञानिकों का यह प्रयास सराहनीय है साथ ही अल्पदोहित फलों, सब्जियों और अनाजों की विभिन्न रेसिपी हमें गांवों में सिखाने की आवश्यकता है। इसी कड़ी में डॉ अरविंद मृदा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र कन्नौज ने कहा कि इस तरह के फसलों में बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है। जबकि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अधिक लाभदायक कंटोला एक बेहतरीन स्वास्थ्यवर्धक भोजन है इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। उक्त कार्यक्रम में कृषक महिलाओं, कृषकों व आंगनबाड़ी कार्यकत्री समेत 77 लोगों ने प्रतिभाग किया।